पर्यटन तथा असैनिक उड्डयन मंत्री (डा० कर्ण सिंह) : (क) से (ग). इंडियन एयर लाइन्स कारपोरेशन ने सूचना दी है कि श्री डी० के० दास गुप्ता नामक एक यात्री 26-6-67 को उनकी आई सी-214 (मोहनबाड़ी-गोहाटी-कलकत्ता) उड़ान द्वारा मोहनबाड़ी से कलकत्ता के लिये बुक किया गया था। वह फर्टिलाइजर कारपोरेशन आफ इण्डिया, नामरूप डिवीजन, के द्वारा बुक किया गया था। गोहाटी पहुंचने पर, वायुयान की रवानगी के समय श्री दास गुप्ता लापता पाये गये। वायुयान पर सवार एक और यात्री ने कमांडर को बताया कि श्री दास गुप्ता का दिमाग ठीक नहीं था और वह यात्री श्री दास गुप्ता को अपने साथ ले जा रहा था। तुरन्त ही आई० ए० सी० के गोहाटी कार्यालय को तद्विषयक सूचना दे दी गयी, परन्तु उनके श्री दास गुप्ता को खोज निकालने के प्रयत्नों का कोई फल नहीं हुआ। गोहाटी के पुलिस स्टेशन को रिपोर्ट कर दी गयी है, जो इस मामले में जांच-पड़ताल कर रहे हैं।

दिल्ली में मोटे अनाज का आयात

5983. श्री कंवर लाल गुप्त : क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) अन्य राज्यों से दिल्ली में चना, जौ, बाजरा, मक्का, ज्वार आदि जैसे मोटे अनाज का आयात करने के लिए सरकार ने क्या व्यवस्था की है,

(ख) क्या यह सच है कि सभी पड़ोसी राज्य सरकारों ने दिल्ली को मोटे अनाज का निर्यात करने पर प्रतिबन्ध लगा दिया है; और

(ग) यदि हां, तो उपरोक्त प्रतिबन्ध कब से लगाया गया है तथा दिल्ली में मोटे अनाज की मांग कैसे पूरी की जाती है?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अन्नासाहिब शिन्दे) : (क) से (ग). हरियाणा से दिल्ली में चना मंगाया जा सकता है क्योंकि दिल्ली और हरियाणा का साझा क्षेत्र है। हरियाणा से दिल्ली में जौ के आयात करने और दिल्ली से निर्यात करने पर कोई प्रतिबन्ध नहीं है। पंजाब (और हरियाणा पुनर्गठन के बाद) से मोटे अनाजों के संचलन पर 29-7-1966 और उत्तर प्रदेश से 29-6-1966 को प्रतिबन्ध लगाये गये थे। पंजाब से दिल्ली को ज्वार, बाजरा और मक्का के आवंटन किए गये हैं।

भारतीय खाद्य निगम द्वारा राजस्थान में अनाज की खरीद

5984. श्री मीठालाल :
श्री ओंकार लाल बेरवा :

क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) भारतीय खाद्य निगम की राजस्थान शाखा ने 1964-65, 1965-66 और 1966-67 में किन किन किस्मों का तथा कितना-कितना अनाज खरीदा,

(ख) उपरोक्त अनाज किन किन दामों पर खरीदे गये,

(ग) ये अनाज किन किन दामों पर बेचे गये;

(घ) उपरोक्त अनाजों में से कितने अनाज की खपत राजस्थान में हुई तथा कितना अनाज राजस्थान से बाहर भेजा गया;

(ङ) राजस्थान से बाहर भेजा गया अनाज किन दामों पर बेचा गया; और

(घ) इन वर्षों में खाद्य निगम को कितना लाभ अथवा हानि हुई ?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अन्नासाहिब शिन्दे) : (क) से (ग). भारतीय खाद्य निगम ने 1964–65 और 1965–66 में राजस्थान में कोई खाद्यान्न नहीं खरीदे थे। खरीदारी केवल 1966–67 में की गयी थी। एक विवरण जिसमें राजस्थान में विभिन्न प्रकार के खरीदे गये खाद्यान्नों की मात्रा तथा वे किस भाव पर खरीदे तथा बेचे गये थे, सम्बन्धी सूचना दी गयी है जो सभा पटल पर रखी गई है। [पुस्तकालय में रखा गया। देखिये संख्या LT—1090/67]

(घ) राजस्थान में निगम द्वारा विभिन्न प्रकार के खरीदे गये खाद्यान्नों की कुल 47,351 मीटरी टन की मात्रा में से 33,838 मीटरी टन की मात्रा का उपयोग राजस्थान में हुआ था और शेष 13,513 मीटरी टन की मात्रा जिसमें 8,122 मीटरी टन चना और 5,391 मीटरी टन चने की दाल थी, को राजस्थान से बाहर भेजा गया था।

(ङ) खाद्य निगम ने अन्य राज्यों में चना और चने की दाल को बोरी की कीमत सहित भेजने के स्टेशन पर रेल तक निःशुल्क आधार पर क्रमशः 73 42 रुपये प्रति क्विंटल और 75 87 रुपये प्रति क्विंटल की औसत दर पर बेचा था।

(च) 1966–67 के लेखों का अभी भी संकलन हो रहा है और लाभ तथा हानि के लेखों को अन्तिम रूप नहीं दिया गया है।

दिल्ली में कृषि भूमि का अर्जन

5985. श्री राम सेवक यादव : क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र में खेती वाली भूमि का समय-समय पर अन्य प्रयोजनों के लिये अर्जन किया जाता रहा है;

(ख) यदि हां, तो ऐसी कितने एकड़ भूमि अभी तक अर्जित की गई है तथा वह किन प्रयोजनों के लिये अर्जित की गई है;

(ग) क्या सरकार का विचार ऐसी और ऐसी और भूमि अर्जित करने का है,

(घ) यदि हां, तो कितने एकड़ भूमि अर्जित करने का विचार है तथा यह भूमि किस उद्देश्य के लिये अर्जित की जा रही है,

(ङ) देश की गम्भीर खाद्य स्थिति को देखते हुए क्या मकानों के निर्माण तथा अन्य प्रयोजनों के लिये खेती वाली भूमि को अर्जित करना उचित समझा गया है और

(च) यदि नहीं, तो क्या ऐसी और भूमि को अर्जित करना तुरन्त बन्द कर देने का सरकार का विचार है ?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अन्नासाहिब शिन्दे) (क) से (च) एक विवरण सभा पटल पर रखा गया है [पुस्तकालय में रखा गया। देखिये संख्या LT—1091/67]

Foodgrains production in Haryana

5986. **Shri Ram Kishan Gupta:** Will the Minister of Food and Agriculture be pleased to state

(a) whether Government's attention has been drawn to the fac. that while food production in the State of Haryana in 1966-67 has risen by at least 33 per cent over the previous year's production, the foodgrains in the State markets have been scarce and the prices higher than the previous year;

(b) if so, the comparative figures for these two years in respect of production and prevalent prices of each item; and

(c) whether Government have probed into the anomalous food